[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1591 **L**

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit (May-June 2026) – DSC**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. वाल्मीकि रामायण के अयोध्याकाण्ड (सर्ग 109) में राम और जाबालि के मध्य हुए संवाद का सारांश लिखिए तथा इसके दार्शनिक महत्त्व की व्याख्या कीजिए। 18

Write a summary of the dialogue between Ram and Jabali in Ayodhya Kanda (Canto 109) of Valmiki Ramayana and explain its philosophical significance.

अथवा/Or

"रामायण भारतीय मूल्यों का स्रोत ग्रंथ है।" एक 'आदर्श राजा' और 'आदर्श परिवार' की अवधारणाओं के संदर्भ में इस कथन की चर्चा कीजिए।

"Ramayana is the source book for Indian values." Discuss this statement with reference to the concepts of an 'Ideal King' and 'Ideal Family.

2. रामायण के सर्ग 109 में जाबालि के नास्तिक तर्कों के राम द्वारा किए गए खंडन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 18

Critically examine Rama's refutation of Jabali's atheistic arguments (*Nastika-vada*) in Sarga 109 of Ramayana.

अथवा/Or

श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर आत्मा की अमरता को सिद्ध कीजिए ।

Establish the immortality of soul on the basis of the second chapter of the Bhagavad Gita.

P.T.O.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए: 2× 6 = 12

Translate any **two** of the following:

क) उद्विजन्ते यथा सर्पान्नरादनृतवादिनः।
धर्मस्सत्यं परो लोके मूलं स्वर्गस्य चोच्यते।।

ख) कुलीनमकुलीनं वा वीरं पुरुषमानिनम् ।
चारित्रमेव व्याख्याति शुचिं वा यदि वाऽशुचिम् ।।

ग) अविनाशि तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं ततम्।
विनाशमव्ययस्यास्य न कश्चित् कर्तुमर्हति।

घ) न त्वेवाहं जातु नासं न त्वं नेमे जनाधिपाः।
न चैव न भविष्यामः सर्वे वयमतः परम्।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2×9 = 18

Explain with reference to the context of any **two** of the following:

क) नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ।।

ख) निर्मर्यादास्तु पुरुषःपापाचारसमन्वितः।
मानं न लभते सत्सु भिन्नचारित्रदर्शनः।।

ग) सत्यमेवेश्वरो लोके सत्यं पद्माश्रिता सदा।
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ।।

घ) न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 3×8 = 24

Write short notes on any **three** of the following:

क) अध्यात्म रामायण (Adhyatma Ramayana)

ख) राम का आदर्श चरित्र (Ideal Character of Rama)

ग) गीता में आत्मा का स्वरूप (Nature of *Atman* in the Gita)

घ) गीतिकाव्य पर महाकाव्यों का प्रभाव (Influence of Epics on Lyric Poetry)

ङ) सत्य पर जाबालि के विचार (Jabali's view on Truth)

च) नैतिक मूल्यों के विश्वकोश के रूप में महाभारत (Mahabharata as a *'Vishvakosa'* of moral values)